RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

CLASS 10th | भूगोल

# ई- पाठशाला

# वन एवं वन्य जीव संसाधन

# ONE SHOT

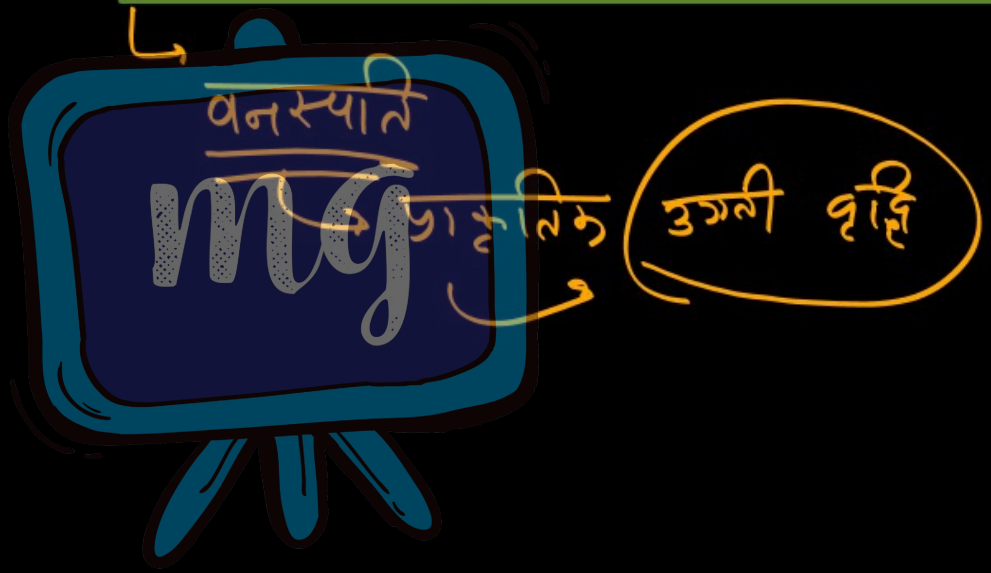
LIVE | 03 OCT | 6:30 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# वन एवं वन्य जीव संसाधन



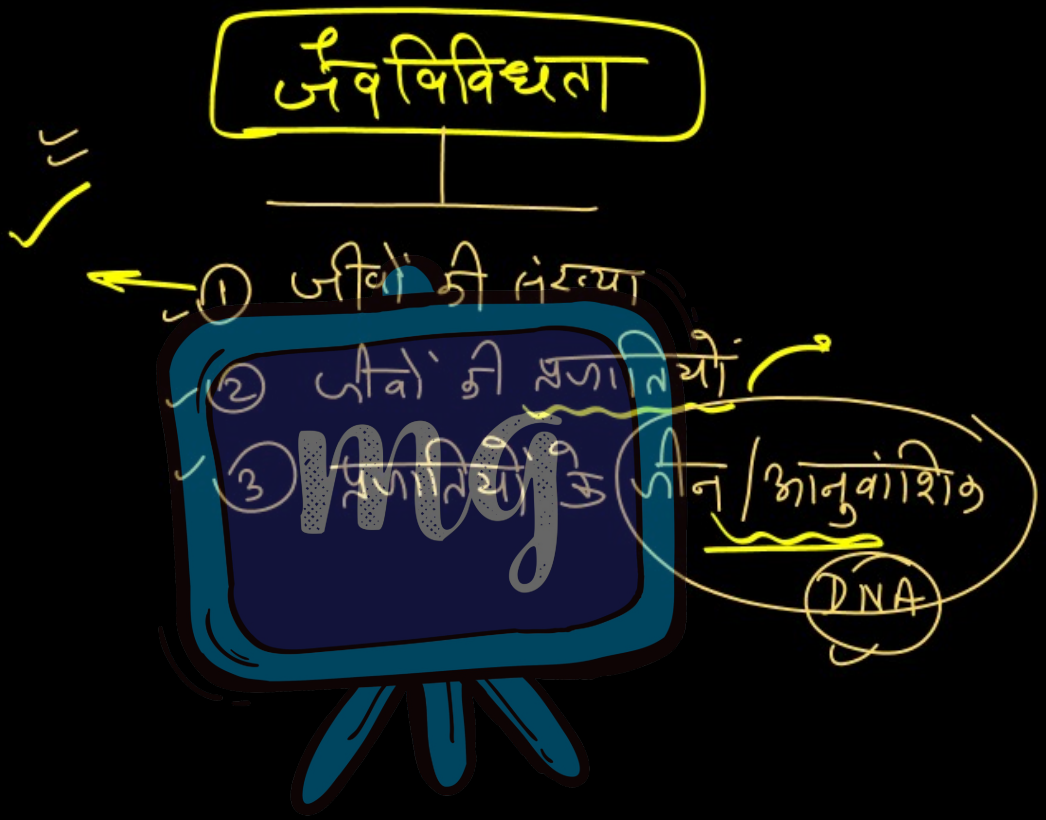
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




# वन एवं वन्य जीव संसाधन

- इस ग्रह पर हम सूक्ष्म जीवाणुओं और बैक्टीरिया, पौधे से लेकर वटवृक्ष, हाथी और ब्लू व्हेल तक करोड़ों दूसरे जीवधारियों के साथ रहते हैं।
- यह पूरा आवासीय स्थल जिस पर हम रहते हैं, अत्यधिक जैव-विविधताओं से भरा हुआ है।

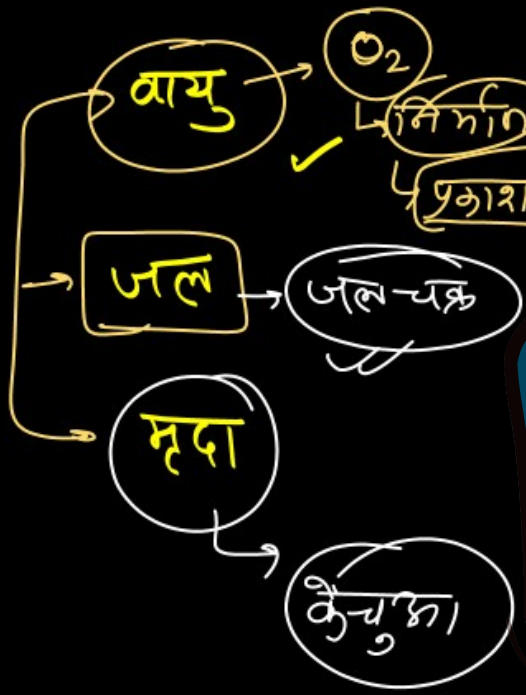

जैवविविधता
1 जीवों की संख्या
2 जीवों की प्रजातियों
3 प्रजातियों के
जीन/आनुवांशिक
DNA

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- मानव और दूसरे जीवधारी एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं, जिसका हम मात्र एक हिस्सा हैं और अपने अस्तित्व के लिए इसके विभिन्न तत्त्वों पर निर्भर करते हैं।




वायु जिसमें हम साँस लेते हैं, जल जिसे हम पीते हैं और मृदा जो अनाज पैदा करती है, जिसके बिना हम जीवित नहीं रह सकते; पौधे, पशु और सूक्ष्मजीवी इनका पुनः सृजन करते हैं।

- वन, पारिस्थितिकी तंत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि ये प्राथमिक उत्पादक हैं जिन पर दूसरे सभी जीव निर्भर करते हैं।

Q.① प्राथमिक उत्पाद क्या होते हैं? उदाहरण दीजिए।

Q.② मानव के अस्तित्व के लिए ओजोन के तीन क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

Q.③ जल, वायु तथा मृदा का पुनः सृजन किसके द्वारा होता है?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

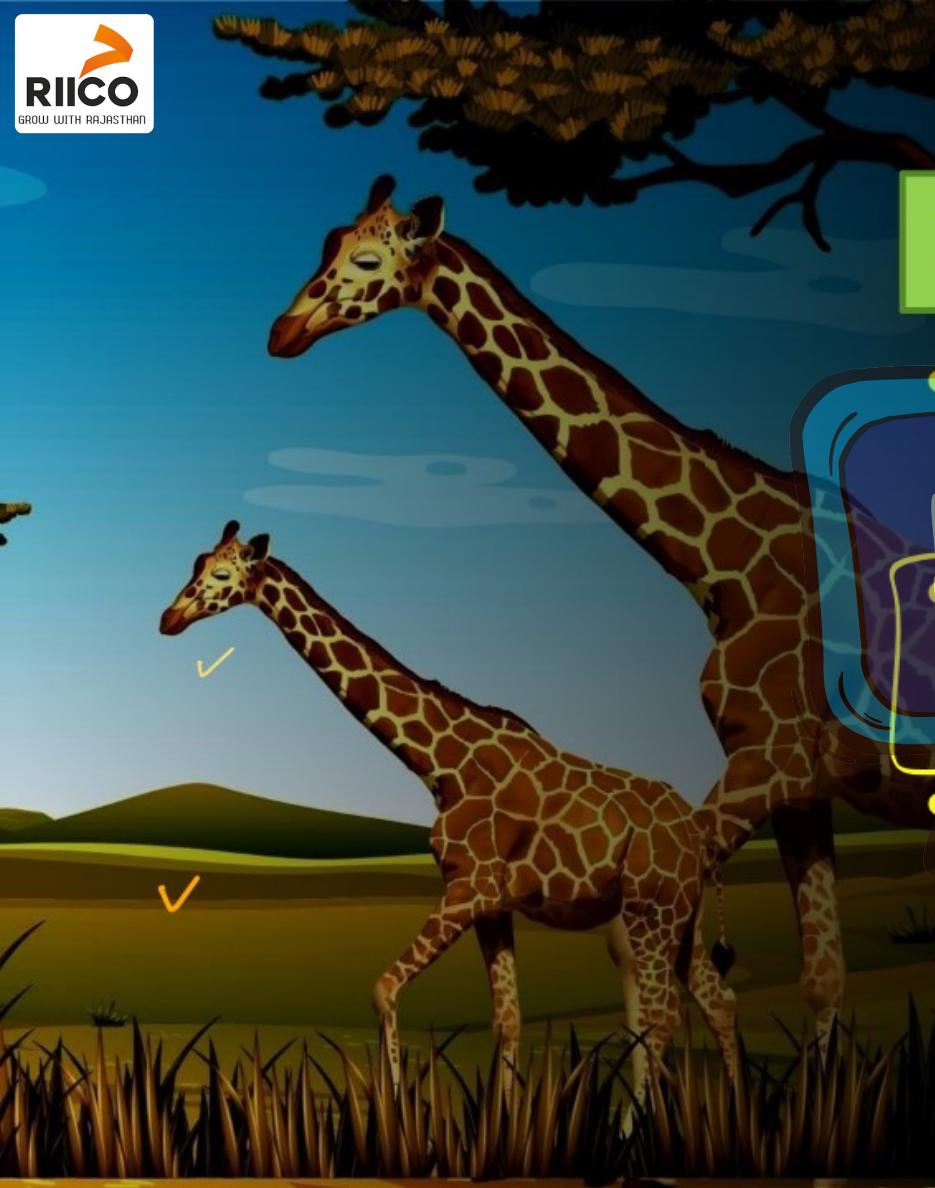
Q. वन्य जीवन व कृषि फसलों में किस प्रकार जैव विविधता पायी जाती है?

# वन्य जीवन और कृषि फसल

- वन्य जीवन और कृषि फसल उपजातियों में अत्यधिक जैव विविधताएँ पाई जाती हैं।
- यह आकार और कार्य में विभिन्न हैं।
- परंतु अंतर्निर्भरताओं के जटिल जाल द्वारा एक तंत्र में गुंथी हुई हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



# भारत में वनस्पतिजात और प्राणिजात

- भारत, जैव विविधता के संदर्भ में विश्व के सबसे समृद्ध देशों में से एक है।
- यहाँ विश्व की सारी जैव उपजातियों की 8% संख्या (लगभग 16 लाख) पाई जाती है।
- ये विविध वनस्पतिजात और प्राणिजात हमारे हर रोज के जीवन में इतने गुँथे हुए हैं कि हम इसकी कद्र नहीं करते।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जैव विविधता

↓

हानि

पर्यावरणीय व पारिस्थितिकीय समस्याएँ

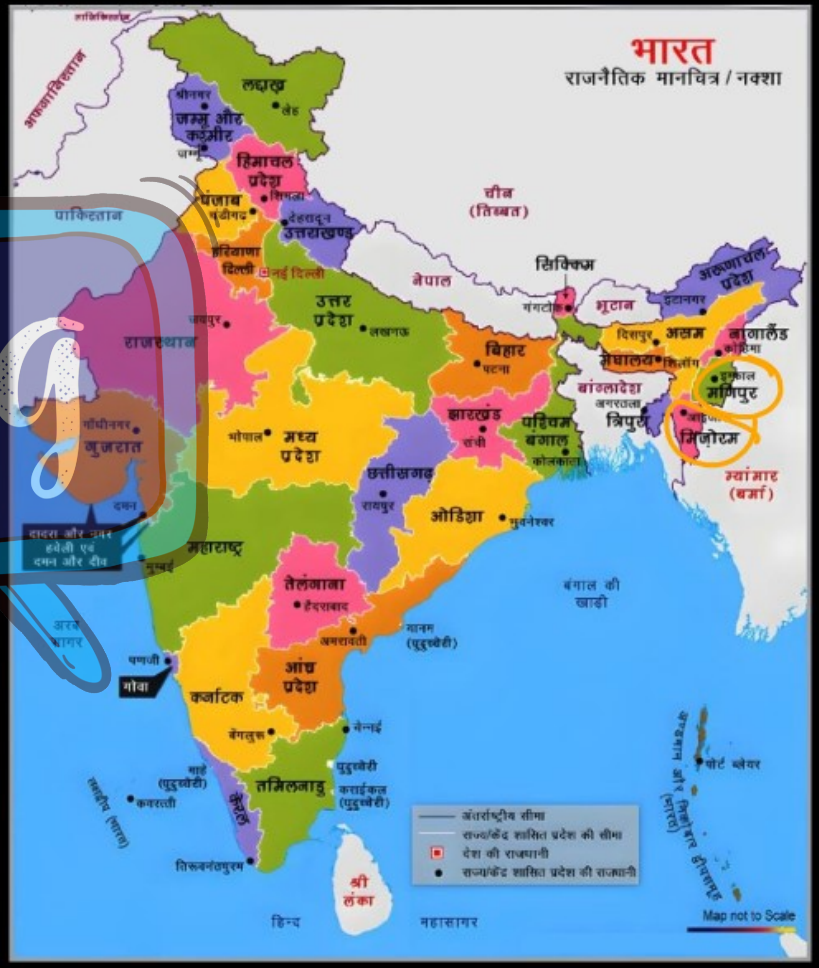
- परंतु पर्यावरण के प्रति हमारी असंवेदना के कारण पिछले कुछ समय से इन संसाधनों पर भारी दवाब बढ़ा है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




भारत
राजनैतिक मानचित्र / नक्शा
लद्दाख
जम्मू और कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
पंजाब
उत्तराखण्ड
हरियाणा
दिल्ली
नई दिल्ली
पाकिस्तान
चीन (तिब्बत)
नेपाल
सिक्किम
भूटान
अरुणाचल प्रदेश
असम
नागालैंड
मेघालय
बांग्लादेश
त्रिपुरा
मणिपुर
मिजोरम
म्यांमार (बर्मा)
उत्तर प्रदेश
बिहार
राजस्थान
गुजरात
मध्य प्रदेश
झारखंड
पश्चिम बंगाल
छत्तीसगढ़
ओडिशा
महाराष्ट्र
तेलंगाना
आंध्र प्रदेश
कर्नाटक
गोवा
तमिलनाडु
पुडुचेरी
दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
हिन्द महासागर
श्री लंका
अंतर्राष्ट्रीय सीमा
राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सीमा
देश की राजधानी
राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी
Map not to Scale

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. प्राथमिक उत्पादक → पेड़-पौधे
2. प्राथमिक उपभोक्ता → शाकाहारी जीव
3. द्वितीयक उपभोक्ता → माँसाहारी जीव
4. तृतीयक उपभोक्ता → अपघटक

# भारत में वन और वन्य जीवन का संरक्षण

वन्य जीवन और वनों में तेज गति से हो रहे ह्रास के कारण इनका संरक्षण बहुत आवश्यक हो गया है

**Q. वनों और वन्य जीवन का संरक्षण करना आवश्यक क्यों है?**

Ans.

- पारिस्थितिकी विविधता बनी रहती है
- हमारे जीवन-साध्य संसाधन (जल, वायु और मृदा) बने रहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

1952 ⇒ राष्ट्रीय वन्य नीति




missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1960 और 1970 के दशकों के दौरान, पर्यावरण संरक्षकों ने *राष्ट्रीय वन्यजीवन सुरक्षा कार्यक्रम* की पुरजोर माँग की।
- 1972 में भारतीय वन्यजीवन (रक्षण) अधिनियम लागू किया गया जिसमें वन्य जीवों के आवास रक्षण के अनेक प्रावधान थे।
- सम्पूर्ण भारत में रक्षित जातियों की सूची प्रकाशित की गई।

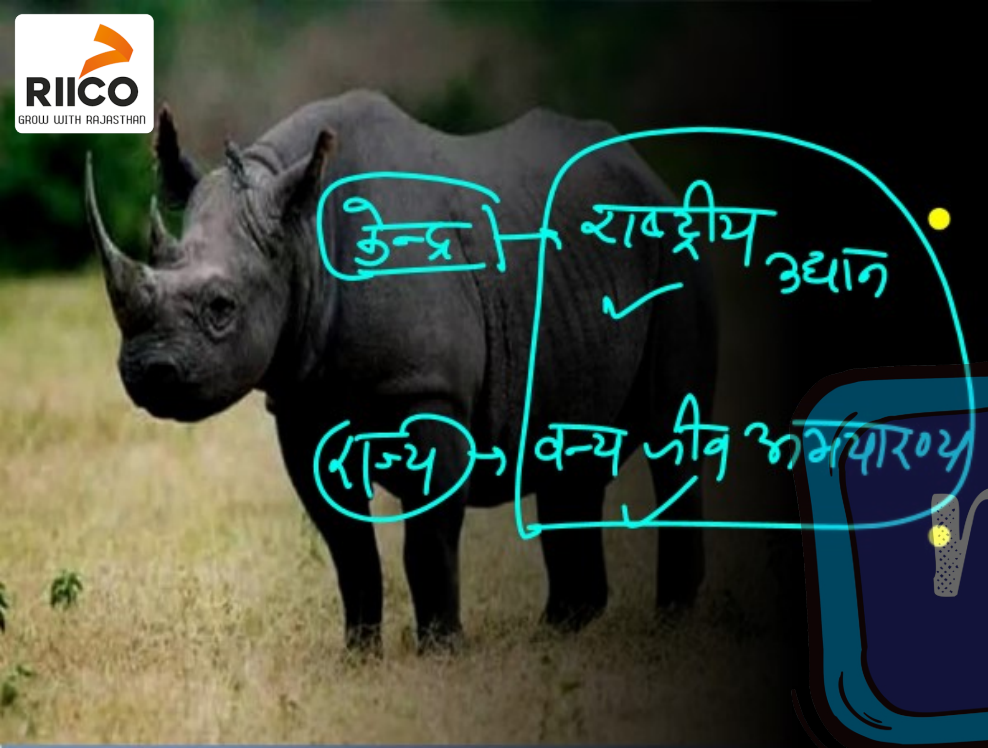
Q.① भारतीय वन्य जीवन (रक्षण) अधिनियम के तहत कौनसे कार्यों पर सर्वाधिक ध्यान/बल दिया गया?

इस कार्यक्रम के तहत निम्न पर जोर दिया गया है—

- बची हुई संकटग्रस्त जातियों के बचाव
- शिकार प्रतिबंधन
- वन्यजीव-आवासों का कानूनी रक्षण
- जंगली जीवों के व्यापार पर रोक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




तत्पश्चात् केंद्र-सरकार व कई राज्य-सरकारों ने राष्ट्रीय उद्यान और वन्य जीव अभयारण्य (Sanctuary) स्थापित किए।

केंद्र-सरकार ने कई परियोजनाओं की भी घोषणा की जिनका उद्देश्य गंभीर खतरे में पड़े कुछ विशेष वन्य-प्राणियों को रक्षण प्रदान करना था।

बाघ, एक सींग वाला गैंडा, कश्मीरी हिरण (हंगुल), मगरमच्छ (स्वच्छ-जल मगरमच्छ, लवणीय-जल मगरमच्छ और घड़ियाल), एशियाई शेर आदि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. भारत सरकार ने वन्य जीवन संरक्षण के लिए कुछ परि॰ की घोषणा की है। उनका प्रमुख उद्देश्य क्या है?



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1972







- वन्य-जीव अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचना (1980 और 1986) के तहत् सैकड़ों तितलियों, पतंगों, भृगों और एक ड्रैगनफ्लाई को भी संरक्षित जातियों में शामिल किया गया है।
- 1991 में पौधों की 6 जातियाँ भी पहली बार इस सूची में रखी गई।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

राष्ट्रीय मरु उद्यान

जैसलमेर - बा

- इसके अतिरिक्त, कुछ समय पहले भारतीय हाथी, काला हिरण, चिंकारा, भारतीय गोडावन (Bustard) और हिम तेंदुओं आदि के शिकार और व्यापार पर संपूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाकर कानूनी रक्षण दिया है।





missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



# बाघ परियोजना

वन्यजीवन संरचना में बाघ (Tiger) एक महत्त्वपूर्ण जंगली जाति है।

**देश में बाघों की अनुमानित संख्या**

20वीं शताब्दी के आरंभ में → 55,000

1973 में → 1,827

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



## बाघों की घटती संख्या के मुख्य कारण —

- बाघों को अवैध शिकार/व्यापार (खाल, हड्डियों का औषधियों में प्रयोग);
- आवासीय स्थलों का सिकुड़ना;
- जनसंख्या-वृद्धि;
- भोजन के लिए आवश्यक जंगली जातियों की संख्या कम होना;

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजस्थान → वन, भोजन, वन्य जीव के संरक्षण

66-667

Q. बाघ संरक्षण परियोजना का उद्देश्य क्या है?

Ans) i) बाघ संरक्षण करना
ii) विस्तृत क्षेत्र की जैव विविधता का संरक्षण



चूँकि भारत और नेपाल दुनिया की दो-तिहाई बाघों का आवास हैं, अतः ये शिकार, चोरी और गैर-कानूनी व्यापार करने वालों के मुख्य निशाने पर हैं।

## प्रोजेक्ट टाईगर (Project Tiger)

- शुरुआत : 1973 में
- विश्व की बेहतरीन वन्य जीव परियोजनाओं में से एक
- बाघ संरक्षण मात्र एक संकटग्रस्त जाति को बचाने का प्रयास नहीं है, अपितु इसका उद्देश्य ~~बहुत बड़े आकार~~ के जैवजाति को भी बचाना है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

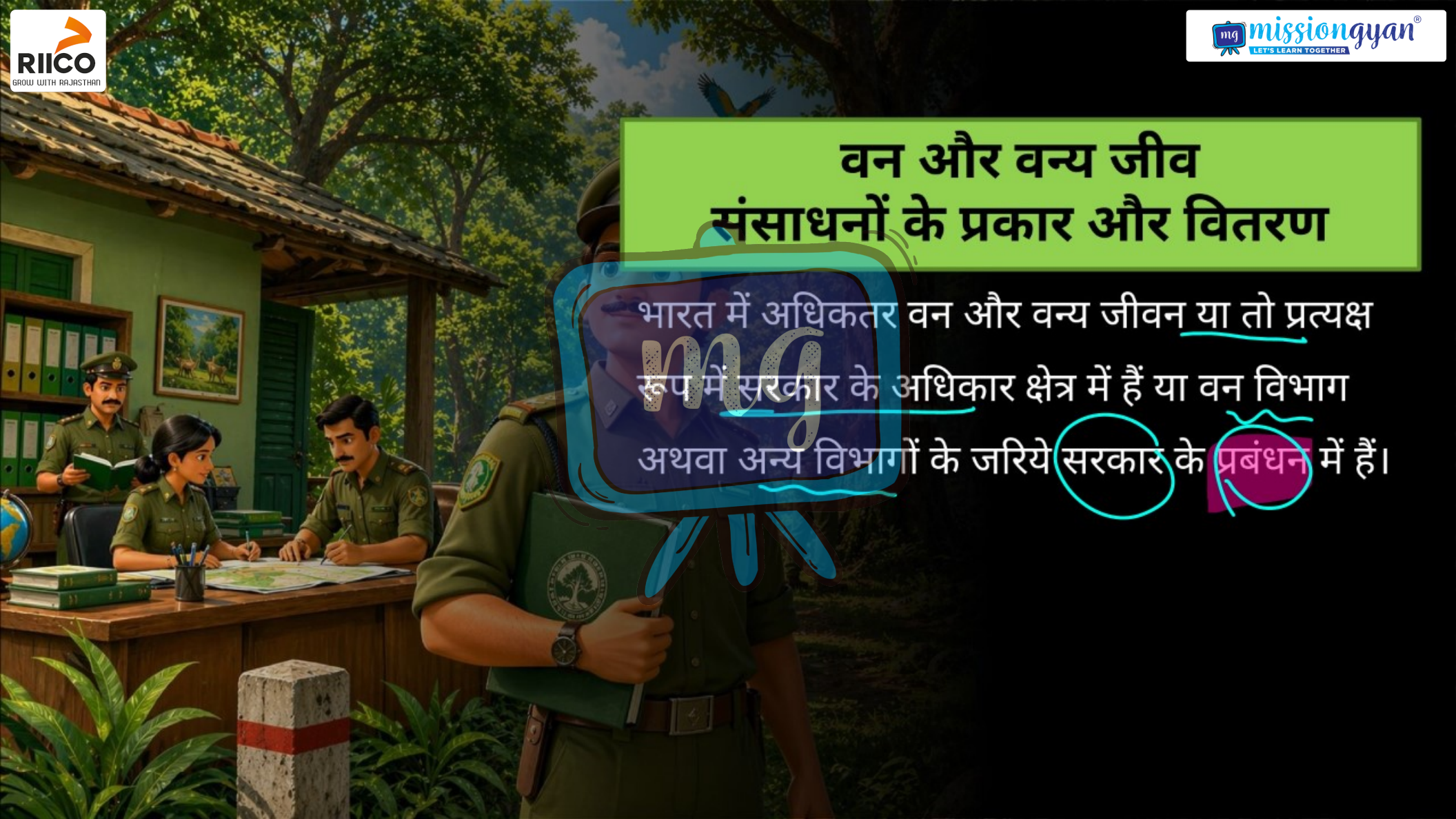
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



## भारत में बाघ संरक्षण परियोजनाएं —

- कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखण्ड)
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश)
- सरिस्का बाघ रिजर्व (राजस्थान)
- सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान (पश्चिम बंगाल)
- मानस बाघ रिजर्व (असम)
- पेरियार बाघ रिज़र्व (केरल)


भारत
राजनैतिक मानचित्र / नक्शा
लद्दाख
लेह
जम्मू और कश्मीर
श्रीनगर
जम्मू
हिमाचल प्रदेश
शिमला
पंजाब
चंडीगढ़
उत्तराखण्ड
देहरादून
हरियाणा
दिल्ली
नई दिल्ली
पाकिस्तान
चीन (तिब्बत)
नेपाल
सिक्किम
गंगटोक
भूटान
अरुणाचल प्रदेश
इटानगर
राजस्थान
जयपुर
उत्तर प्रदेश
लखनऊ
बिहार
पटना
असम
दिसपुर
मेघालय
शिलांग
नागालैंड
कोहिमा
मणिपुर
इम्फाल
बांग्लादेश
अगरतला
त्रिपुरा
मिजोरम
म्यांमार (बर्मा)
गांधीनगर
गुजरात
भोपाल
मध्य प्रदेश
झारखंड
रांची
पश्चिम बंगाल
कोलकाता
छत्तीसगढ़
रायपुर
ओडिशा
भुवनेश्वर
दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव
दमन
महाराष्ट्र
मुम्बई
तेलंगाना
हैदराबाद
अमरावती
यानम (पुदुच्चेरी)
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर
पणजी
गोवा
आंध्र प्रदेश
कर्नाटक
बेंगलुरु
चेन्नई
पुदुच्चेरी
कराईकल (पुदुच्चेरी)
माहे (पुदुच्चेरी)
कवरत्ती
तमिलनाडु
तिरुवनंतपुरम
श्री लंका
हिन्द महासागर
पोर्ट ब्लेयर
अंतर्राष्ट्रीय सीमा
संघ/केंद्र शासित प्रदेश की सीमा
देश की राजधानी
संघ/केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी
Map not to Scale



# वन और वन्य जीव संसाधनों के प्रकार और वितरण

भारत में अधिकतर वन और वन्य जीवन या तो प्रत्यक्ष रूप में सरकार के अधिकार क्षेत्र में हैं या वन विभाग अथवा अन्य विभागों के जरिये सरकार के प्रबंधन में हैं।

Q. भारत में वनों को प्रशासनिक दृष्टि से कितने वर्गों में विभाजित किया गया है?

Ans. तीन
- आरक्षित वन
- रक्षित वन
- अवर्गीकृत वन



वन प्रबन्धन
प्रशासन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

**इन्हें निम्नलिखित वर्गों में बाँटा गया है—**

50%+

(क) आरक्षित वन (Reserved Forest) — देश में आधे से अधिक वन क्षेत्र आरक्षित वन घोषित किए गए हैं। जहाँ तक वन और वन्य प्राणियों के संरक्षण की बात है, आरक्षित वनों को सर्वाधिक मूल्यवान माना जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

33%

## (ख) रक्षित वन (Protected Forest) —

- देश के कुल वन क्षेत्र का एक-तिहाई हिस्सा रक्षित वन है। इन वनों को और अधिक नष्ट होने से बचाने के लिए इनकी सुरक्षा की जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. स्थायी वन क्या है?

(ग) अवर्गीकृत वन (Unclassed Forest) —

- अन्य सभी प्रकार के वन जो सरकार, व्यक्तियों और समुदायों के स्वामित्व में होते हैं।
- आरक्षित और रक्षित वन ऐसे स्थायी वन क्षेत्र हैं जिनका रख-रखाव इमारती लकड़ी, अन्य वन पदार्थों और उनके बचाव के लिए किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आरक्षित + रक्षित

Very Very ---Imp.

## स्थायी वनों के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र —

Imp

मध्य प्रदेश में (प्रदेश के कुल वन क्षेत्र का 75%) जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश, उत्तराखण्ड, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में कुल वनों में आरक्षित वनों का एक बड़ा अनुपात है;

Imp

जबकि बिहार, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में कुल वनों में रक्षित वनों का एक बड़ा अनुपात है।

Imp.

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

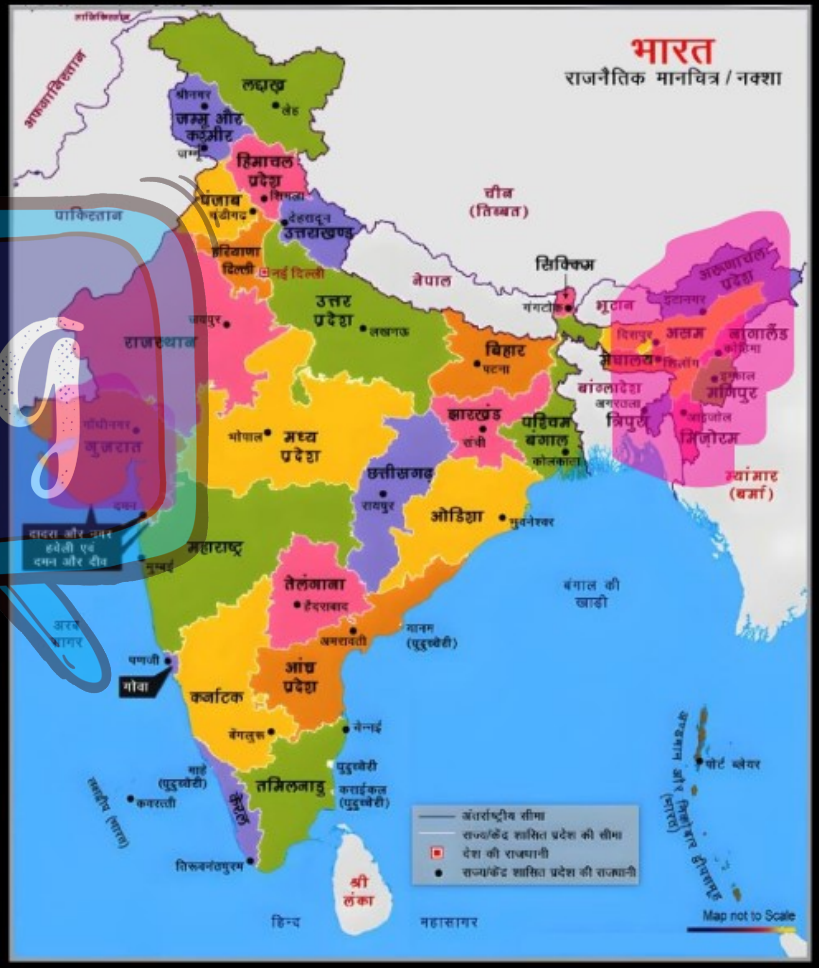
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में और गुजरात में अधिकतर वन क्षेत्र अवर्गीकृत वन हैं तथा स्थानीय समुदायों के प्रबंधन में हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

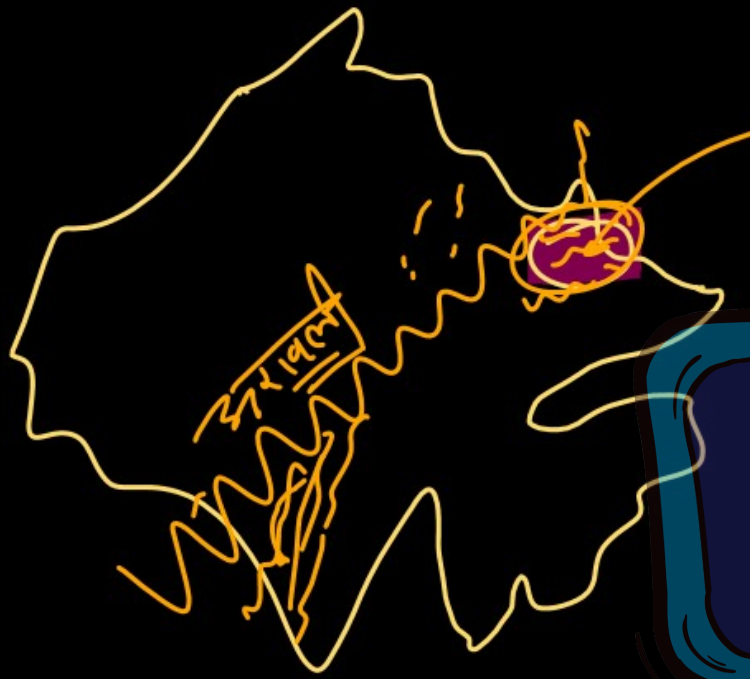
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





# समुदाय और वन संरक्षण

- वन संरक्षण की नीतियाँ हमारे देश में कोई नई बात नहीं है।
- वन हमारे देश में कुछ मानव प्रजातियों के आवास भी हैं।
- भारत के कुछ क्षेत्रों में तो स्थानीय समुदाय, सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर अपने आवास स्थलों के संरक्षण में जुटे हैं। क्योंकि इसी से ही दीर्घकाल में उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है।




- सरिस्का बाघ रिज़र्व (राजस्थान) में के गाँवों के लोग वन्य-जीव रक्षण अधिनियम के तहत वहाँ से खनन कार्य बन्द करवाने के लिए संघर्षरत हैं।
- राजस्थान के अलवर जिले में 5 गाँवों के लोगों ने तो 1,200 हेक्टेयर वन भूमि भैरोंदेव डाकव 'सोंचुरी' घोषित कर दी जिसके अपने ही नियम कानून हैं; जो शिकार वर्जित करते हैं तथा बाहरी लोगों की घुसपैठ से यहाँ के वन्य जीवन को बचाते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

RBSE - 2025/24
Q. 10

हिमालय क्षेत्र



## चिपको आंदोलन (हिमालय)

- कई क्षेत्रों में वन कटाई रोकने में ही कामयाब रहा।
- स्थानीय पौधों की जातियों को प्रयोग करके सामुदायिक वनीकरण अभियान को सफल बनाया।

टिहरी में किसानों का बीज बचाओ आंदोलन और नवदानय ने दिखा दिया है कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के बिना भी विविध फसल उत्पादन द्वारा आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि उत्पादन संभव है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Imp:-

# संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम (JFM)

- भारत में क्षरित वनों के प्रबंध और पुनर्निर्माण में स्थानीय समुदायों की भूमिका के महत्त्व को उजागर करते हैं।
- औपचारिक रूप में इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1988 में हुई जब ओडिशा राज्य ने संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पास किया।
- वन विभाग के अंतर्गत 'संयुक्त वन प्रबंधन' क्षरित वनों के बचाव के लिए कार्य करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




- इसमें गाँव के स्तर पर संस्थाएँ बनाई जाती हैं जिसमें ग्रामीण और वन विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप में कार्य करते हैं।
- इसके बदले ये समुदाय मध्य स्तरीय लाभ जैसे गैर-इमारती वन उत्पादों के हकदारी होते हैं तथा सफल संरक्षण से प्राप्त इमारती लकड़ी लाभ में भी भागीदार होते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

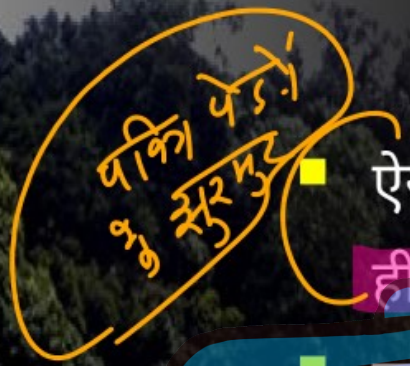
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# पवित्र पेड़ों के झुरमट - विविध और दुर्लभ जातियों की संपत्ति

- प्रकृति की पूजा सदियों पुराना जनजातीय विश्वास है, जिसका आधार प्रकृति के हर रूप की रक्षा करना है।
- इन्हीं विश्वासों ने विभिन्न वनों को मूल रूप में बचाकर रखा है, जिन्हें पवित्र पेड़ों के झुरमुट (देवी-देवताओं के वन) कहते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




- ऐसे वनों में स्थानीय लोग न तो खुद घुसते है तथा न ही किसी और को छेड़छाड़ करने देते है ।
- कुछ समाज कुछ विशेष पेड़ों की पूजा करते हैं और आदिकाल से उनका संरक्षण करते आ रहे हैं।





- आप अनेक मंदिरों के आस पास बंदर और लंगूर पाएँगे। उपासक उन्हें खिलाते- पिलाते हैं और मंदिर के भक्तों में गिनते हैं।
- भारतीय समाज में अनेकों संस्कृतियाँ हैं और प्रत्येक संस्कृति में प्रकृति और इसकी कृतियों को संरक्षित करने के अपने पारंपरिक तरीके हैं।
- आमतौर पर झरनों, पहाड़ी चोटियों, पेड़ों और पशुओं को पवित्र मानकर उनका संरक्षण किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- **छोटानागपुर क्षेत्र** में मुंडा और संथाल जनजातियाँ महुआ और कदंब के पेड़ों की पूजा करते हैं।
- **ओडिशा और बिहार** की जनजातियाँ शादी के दौरान इमली और आम के पेड़ की पूजा करती हैं।
- हममें से बहुत से व्यक्ति पीपल और वटवृक्ष को पवित्र मानते हैं।
- राजस्थान में बिश्नोई गाँवों के आस पास आप काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय और मोरों के झुंड देख सकते हैं जो वहाँ के समुदाय का अभिन्न हिस्सा हैं और कोई उनको नुकसान नहीं पहुँचाता।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

